**दिनांक 28 अक्टूबर 2025 को श्री आनंद स्वरूप मिश्र जन्म शताब्दी समारोह 2025 के अवसर पर काव्यांजलि का आयोजन किया गया।**

-जनता कॉलेज बकेवर में श्री आनंद स्वरूप मिश्र जन्म शताब्दी समारोह में काव्य हस्ताक्षरों ने अर्पित की "काव्यांजलि" ।

-आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन "काव्यांजलि" की अध्यक्षता श्री दिलीप कुमार गुप्त,वरिष्ठ अधिवक्ता,उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने की ।

-ख्यातिलब्ध कवियों ने अर्धरात्रि तक अपनी काव्य प्रस्तुतियों से मंत्र मुग्ध श्रोताओं को बांधे रखा ।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कार्यक्रम अध्यक्ष श्री दिलीप गुप्त, वरिष्ठ अधिवक्ता,उच्च न्यायालय इलाहाबाद ।

सभागार में उपस्थित श्रोतागण

## काव्य पाठ करते हुए वरिष्ठ रचनाकार- कविगण।

कवियत्री एवं शिक्षिका मंजू यादव

हास्य कवि श्री लटूरी लट्ठ

डॉ कमलेश शर्मा

श्री दिलीप कुमार गुप्त,वरिष्ठ अधिवक्ता,उच्च न्यायालय इलाहाबाद

वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षक एवं कवि डॉ. कुश चतुर्वेदी

कवि एवं शिक्षक श्री सुनील अवस्थी

कवि डॉ. राजीव राज

कवि श्री अजय शुक्ला 'अंजाम'

कवि श्री रोहित चौधरी

कवि एवं शिक्षक श्री अरविंद यादव

बकेवर, जनता कॉलेज बकेवर में संस्थापक सेक्रेटरी श्री आनंद स्वरूप मिश्र जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय समारोह के द्वितीय दिवस पर काव्यांजलि के रूप में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया,जिसमें अर्धरात्रि तक ख्यातिलब्ध वरिष्ठ कवियों ने अपने काव्य पाठ से श्रोताओं को बांधे रखा |

काव्यांजलि का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा एवं संस्थापक सेक्रेटरी आनंद स्वरूप मिश्र के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ किया गया, कॉलेज परिवार की ओर से प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी एवं समारोह संयोजक डॉ दिव्य ज्योति मिश्र द्वारा अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता उच्च न्यायालय इलाहाबाद श्री दिलीप कुमार गुप्त एवं आमंत्रित कवियों का स्वागत माल्यार्पण,बैज अलंकरण,अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर किया गया |

कार्यक्रम अध्यक्ष श्री गुप्त ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह शिक्षण संस्थान नि:स्वार्थ शैक्षिक मूल्यों की ज्ञान स्थली है,इसके संस्थापक सेक्रेटरी एक कर्मयोगी के रूप में लोक मानस में सदैव स्मरण किए जाते रहेंगे |

प्रथम काव्य प्रस्तुति कवियत्री एवं शिक्षिका मंजू यादव की सरस्वती वंदना.... हंस वाहिनी शारदे माता, कर दो ज्ञान सवेरा.... के साथ प्रारंभ हुई, तत्पश्चात कवि एवं शिक्षक अरविंद यादव ने संस्थापक सेक्रेटरी का स्मरण अपनी कविता....जब-जब याद तुम्हारी आई,तब- तब हमने गीत लिखे... पढ़कर किया |

ओज के कवि एवं शिक्षक सुनील अवस्थी ने ...चलूँ मैं सत्य के पथ पर, मुझे मां ने सिखाया है... प्रस्तुति पर श्रोताओं की भरपूर तालियां बटोरी |

औरैया से पधारे ओज के अखिल भारतीय काव्य हस्ताक्षर अजय शुक्ला 'अंजाम' की चर्चित रचना.... राणा चेतक के साथ-साथ, भारत माता की जय बोलो... पर अतिथि दर्शकों, छात्र -छात्राओं के साथ कॉलेज परिवार के सभी सदस्यों ने सर्वाधिक तालियां बजाई।

कवि एवं शायर अशोक यादव भरथना ने संस्थापक सेक्रेटरी को इटावा जनपद का महान शिक्षाविद बताते हुए अपनी कविता....अपने घर के आंगन की महकती प्यार की खुशबू, इसे मत भूल जाना यह बुजुर्गों की निशानी है....पर श्रोताओं की तालियों का स्नेह प्राप्त किया।

टूंडला से पधारे हास्य कवि लटूरी लट्ठ ने लंबी अवधि तक अपनी व्यंग्य रचनाओं द्वारा श्रोताओं को गुदगुदाया, कोरोना में क्वॉरेंटाइन व्यंग्य रचना और.... किससे कहें सुनाए किसको,कैसे वक्त गुजार रहे हैं... पर श्रोताओं की भरपूर वाह -वाही लूटी।

ओज के लोकप्रिय कवि रोहित चौधरी ने उत्कृष्ट संचालन करते हुए अपनी काव्य रचना 'जटायु ' और .....मैं भूषण की सिंह गर्जना, खुद की ताकत रखता हूं, वंदे मातरम होठों पर, दिल में भारत रखता हूं....सुना कर सैकड़ो श्रोताओं से भरे सभागार को तालियों की ऊर्जा के साथ कई बार गुंजारित किया।

श्रृंगार के राष्ट्रपति पुरस्कृत अखिल भारतीय कवि डॉ. राजीव राज ने ....सम्बन्धों की भीड़ में,जब मन हुआ अधीर, माँ कहते ही मिट गई,अंतरमन की पीर....आदि कई दोहों को पढ़ा और सकारात्मक गीत ....जिंदगी की शर्त है,बहते रहो बहते रहो... को श्रोताओं ने सुनकर मंत्रमुग्ध होकर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ आदर दिया।

ओज के राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध कवि डॉ कमलेश शर्मा ने ....वर्जित हो जो पंथ, कभी अनुगम्य नहीं होता... मुक्तक एवं चर्चित गीत ....राम हुए हैं कितने और प्रमाण दें.... प्रस्तुत कर सभागार में उपस्थित श्रोताओं की भरपूर तालियां बटोरी।

वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षक एवं कवि डॉ. कुश चतुर्वेदी ने सिद्धांतों की शिक्षाप्रद रचना .....तुम इसको भले सही मानो, मैं इसको सही नहीं कहूंगा और तुम्हारे साथ एक पल भी नहीं रहूंगा.... का वाचन कर छात्रों और श्रोताओं को आशीर्वाद दिया।

कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन वरिष्ठ कवि एवं शिक्षक डॉ कुश चतुर्वेदी एवं ओज कवि रोहित चौधरी द्वारा किया गया।

प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी द्वारा प्रबंध समिति के सदस्यों, आगंतुक रचनाकारों तथा श्रोताओं का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

## श्री आनंद स्वरूप मिश्र जन्म शताब्दी समारोह में काव्य हस्ताक्षरों ने अर्पित की "काव्यांजलि"

चकरनगर जनता कालेज में मिश्र श्री आनन्द स्वरूप जन्म शताब्दी समारोह में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता श्री दिलीप कुमार गुप्त,वरिष्ठ अधिवक्ता,उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने की। ख्यातिलब्ध कवियों ने अर्धरात्रि तक अपनी काव्य प्रस्तुतियों से मंत्र मुग्ध श्रोताओं को बांधे रखा। काव्यांजलि का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा एवं संस्थापक सेक्रेटरी आनंद स्वरूप मिश्र के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ किया गया, कॉलेज परिवार की ओर से प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी एवं समारोह संयोजक डॉ दिव्य ज्योति मिश्र द्वारा अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता उच्च न्यायालय इलाहाबाद श्री दिलीप कुमार गुप्त एवं आमंत्रित कवियों का स्वागत माल्यार्पण,बैज अलंकरण,अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष श्री गुप्त ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह शिक्षण संस्थान निःस्वार्थ शैक्षिक मूल्यों को प्रश्रय देता है,इसके संस्थापक सेक्रेटरी एक कर्मयोगी के रूप में लोक मानस में सदैव स्मरण किए जाते रहेंगे। प्रथम काव्य प्रस्तुति कवियत्री एवं शिक्षिका मंजू यादव की सरस्वती वंदना.... हंस वाहिनी शारदे माता, कर दो ज्ञान संचार... के साथ प्रारंभ हुई, तत्पश्चात कवि एवं शिक्षक अरविंद यादव ने संस्थापक सेक्रेटरी का स्मरण अपनी कविता...जब-जब याद तुम्हारी आई,तब- तब हमने गीत लिखे... पढ़कर किया। ओज के कवि एवं शिक्षक सुनील अवस्थी ने ...चलूँ मैं सत्य के पथ पर, मुझे माँ ने सिखाया है... प्रस्तुति पर श्रोताओं की भरपूर तालियां बटोरी। औरैया से पधारे ओज के अखिल भारतीय काव्य हस्ताक्षर अजय शुक्ला 'अंजाम' की चर्चित रचना... राणा चेतक के साथ-साथ, भारत माता की जय बोलो... पर अतिथि दर्शकों, छात्र -छात्राओं के साथ कॉलेज परिवार के सभी सदस्यों ने सर्वाधिक तालियां बजाई। कवि एवं शायर अशोक यादव भरथना ने संस्थापक सेक्रेटरी को इटावा जनपद का महान शिक्षाविद बताते हुए अपनी कविता...अपने घर के आंगन की महकती प्यार की खुशबू, इसे मत भूल जाना यह बुजुर्गों की निशानी है...पर श्रोताओं की तालियों का स्नेह प्राप्त किया। टूंडला से पधारे हास्य कवि लटूरी लट्ठ ने लंबी अवधि तक अपनी व्यंग्य रचनाओं द्वारा श्रोताओं को गुदगुदाया, कोरोना में क्वॉरेंटाइन व्यंग्य रचना और... किससे कहें सुनाए किसको,कैसे वक्त गुजार रहे हैं... पर श्रोताओं की भरपूर वाह -वाही लूटी। ओज के लोकप्रिय कवि रोहित चौधरी ने उत्कृष्ट संचालन करते हुए अपनी काव्य रचना 'जटायु ' और ....मैं भूषण की सिंह गर्जना, खुद की ताकत रखता हूं, वंदे मातरम होठों पर, दिल में भारत रखता हूं...सुना कर सैकड़ो श्रोताओं से भरे सभागार को तालियों की ऊर्जा के साथ कई बार गुंजारित किया। श्रृंगार के राष्ट्रपति पुरस्कृत अखिल भारतीय कवि डॉ. राजीव राज ने ...सम्बन्धों की भीड़ में,जब मन हुआ अधीर, माँ कहते ही मिट गई,अंतरमन की पीर...आदि कई दोहों को पढ़ा और सकारात्मक गीत ...जिंदगी की शर्त है,बहते रहो बहते रहो... को श्रोताओं ने सुनकर मंत्रमुग्ध होकर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ आदर दिया। ओज के राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध कवि डॉ कमलेश शर्मा ने ...वर्जित हो जो पंथ, कभी अनुगम्य नहीं होता... मुक्तक एवं चर्चित गीत ...राम हुए हैं कितने और प्रमाण दें... प्रस्तुत कर सभागार में उपस्थित श्रोताओं की भरपूर तालियां बटोरी। वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षक एवं कवि डॉ. कुश चतुर्वेदी ने सिद्धांतों की शिक्षाप्रद रचना ....तुम इसको भले सही मानो, मैं इसको सही नहीं कहूंगा और तुम्हारे साथ एक पल भी नहीं रहूंगा... का वाचन कर छात्रों और श्रोताओं को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन वरिष्ठ कवि एवं शिक्षक डॉ कुश चतुर्वेदी एवं ओज कवि रोहित चौधरी द्वारा किया गया। प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी द्वारा प्रबंध समिति के सदस्यों, आगंतुक रचनाकारों तथा श्रोताओं का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

# जनता कॉलेज बकेवर में श्री आनंद स्वरूप मिश्र जन्म शताब्दी समारोह में काव्य हस्ताक्षरों ने अर्पित की काव्यांजलि

**करंट विज़न संवाददाता**

बकेवर, जनता कॉलेज बकेवर में संस्थापक सेक्रेटरी श्री आनंद स्वरूप मिश्र जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय समारोह के द्वितीय दिवस पर काव्यांजलि के रूप में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया,जिसमें अर्धरात्रि तक ख्यातिलब्ध वरिष्ठ कवियों ने अपने काव्य पाठ से श्रोताओं को बांधे रखा। काव्यांजलि का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा एवं संस्थापक सेक्रेटरी आनंद स्वरूप मिश्र के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ किया गया, कॉलेज परिवार की ओर से प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी एवं समारोह संयोजक डॉ दिव्य ज्योति मिश्र द्वारा अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता उच्च न्यायालय इलाहाबाद श्री दिलीप कुमार गुप्त एवं आमंत्रित कवियों का स्वागत माल्यार्पण,बैज अलंकरण,अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष श्री गुप्त ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि यह शिक्षण संस्थान निरूस्वार्थ शैक्षिक मूल्यों की ज्ञान स्थली है,इसके संस्थापक सेक्रेटरी एक कर्मयोगी के रूप में लोक मानस में सदैव स्मरण किए जाते रहेंगे। प्रथम काव्य प्रस्तुति कवयित्री एवं शिक्षिका मंजू यादव की सरस्वती वंदना.... हंस वाहिनी शारदे माता, कर दो ज्ञान सवेरा.... के साथ प्रारंभ हुई, तत्पश्चात कवि एवं शिक्षक अरविंद यादव ने संस्थापक सेक्रेटरी का स्मरण अपनी कविता....जब–जब याद तुम्हारी आई,तब– तब हमने गीत लिखे. ..पढ़कर किया। ओज के कवि एवं शिक्षक सुनील अवस्थी ने ...चलूँ मैं सत्य के पथ पर, मुझे मां ने सिखाया है. .. प्रस्तुति पर श्रोताओं की भरपूर तालियां बटोरी।

औरैया से पधारे ओज के अखिल भारतीय काव्य हस्ताक्षर अजय शुक्ला श्अंजामश की चर्चित रचना.... राणा चेतक के साथ–साथ, भारत माता की जय बोलो... पर अतिथि दर्शकों, छात्र –छात्राओं के साथ कॉलेज परिवार के सभी सदस्यों ने सर्वाधिक तालियां बजाई। कवि एवं शायर अशोक यादव भरथना ने संस्थापक सेक्रेटरी को इटावा जनपद का महान शिक्षाविद बताते हुए अपनी कविता....अपने घर के आंगन की महकती प्यार की खुशबू इसे मत भूल जाना यह बुजुर्गों की निशानी है....पर श्रोताओं की तालियों का स्नेह प्राप्त किया। टूंडला से पधारे हास्य कवि लटूरी लट्ठ ने लंबी अवधि तक अपनी व्यंग्य रचनाओं द्वारा श्रोताओं को गुदगुदाया, कोरोना में क्वॉरेंटाइन व्यंग्य रचना और.... किससे कहें सुनाए किसको,कैसे वक्त गुजार रहे हैं... पर श्रोताओं की भरपूर वाह –वाही लूटी। ओज के लोकप्रिय कवि रोहित चौधरी ने उत्कृष्ट संचालन करते हुए अपनी काव्य रचना श्जटायु श और .....मैं भूषण की सिंह गर्जना, खुद की ताकत रखता हूं, वंदे मातरम होठों पर, दिल में भारत रखता हूं...सुना कर सैकड़ो श्रोताओं से भरे सभागार को तालियों की ऊर्जा के साथ कई बार गुंजारित किया। श्रृंगार के राष्ट्रपति पुरस्कृत

अखिल भारतीय कवि डॉ. राजीव राज ने ....सम्बन्धों की भीड़ में,जब मन हुआ अधीर, माँ कहते ही मिट गई,अंतरमन की पीर....आदि कई दोहों को पढ़ा और सकारात्मक गीत ....जिंदगी की शर्त है,बहते रहो बहते रहो... को श्रोताओं ने सुनकर मंत्रमुग्ध होकर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ आदर दिया। ओज के राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध कवि डॉ कमलेश शर्मा ने ....वर्जित हो जो पंथ, कभी अनुगम्य नहीं होता... मुक्तक एवं चर्चित गीत ....राम हुए हैं कितने और प्रमाण दें. ... प्रस्तुत कर सभागार में उपस्थित श्रोताओं की भरपूर तालियां बटोरी। वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षक एवं कवि डॉ. कुश चतुर्वेदी ने सिद्धांतों की शिक्षाप्रद रचना .....तुम इसको भले सही मानो, मैं इसको सही नहीं कहूंगा और तुम्हारे साथ एक पल भी नहीं रहूंगा.... का वाचन कर छात्रों और श्रोताओं को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन वरिष्ठ कवि एवं शिक्षक डॉ कुश चतुर्वेदी एवं ओज कवि रोहित चौधरी द्वारा किया गया। प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी द्वारा प्रबंध समिति के सभी उपस्थित सदस्यों,आगंतुक रचनाकारों तथा श्रोताओं का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

# श्री आनंद स्वरूप मिश्र जन्म शताब्दी समारोह में काव्य हस्ताक्षरों ने अर्पित की काव्यांजलि

**बकेवर, इटावा (स्पष्ट आवाज)।** जनता कालेज में श्री आनन्द स्वरूप मिश्र जन्म शताब्दी समारोह में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया गया।कवि सम्मेलन की अध्यक्षता दिलीप कुमार गुप्त,वरिष्ठ अधिवक्ता,उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने की। ख्यातिलब्ध कवियों ने अर्धरात्रि तक अपनी काव्य प्रस्तुतियों से मंत्र मुग्ध श्रोताओं को बांधे रखा। काव्यांजलि का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा एवं संस्थापक सेक्रेटरी आनंद स्वरूप मिश्र के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ किया गया,कॉलेज परिवार की ओर से प्राचार्य प्रो.राजेश किशोर त्रिपाठी एवं समारोह संयोजक डॉ.दिव्य ज्योति मिश्र द्वारा अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता उच्च न्यायालय इलाहाबाद दिलीप कुमार गुप्त एवं आमंत्रित कवियों का स्वागत माल्यार्पण,बैज अलंकरण,अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष श्री गुप्त ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह शिक्षण संस्थान निःस्वार्थ शैक्षिक मूल्यों की ज्ञान स्थली है,इसके संस्थापक सेक्रेटरी एक कर्मयोगी के रूप में लोक मानस में सदैव स्मरण किए जाते रहेंगे।

प्रथम काव्य प्रस्तुति कवियत्री एवं शिक्षिका मंजू यादव की सरस्वती वंदना.... हंस वाहिनी शारदे माता,कर दो ज्ञान सवेरा.... के साथ प्रारंभ हुई, तत्पश्चात कवि एवं शिक्षक अरविंद यादव ने संस्थापक सेक्रेटरी का स्मरण अपनी कविता....जब-जब याद तुम्हारी आई,तब-तब हमने गीत लिखे... पढ़कर किया। ओज के कवि एवं शिक्षक सुनील अवस्थी ने ...चलूँ मैं सत्य के पथ पर,मुझे मां ने सिखाया है...प्रस्तुति पर श्रोताओं की भरपूर तालियां बटोरी।

औरैया से पधारे ओज के अखिल भारतीय काव्य हस्ताक्षर अजय शुक्ला 'अंजाम' की चर्चित रचना.... राणा चेतक के साथ-साथ,भारत माता की जय बोलो... पर अतिथि दर्शकों,छात्र-छात्राओं के साथ कॉलेज परिवार के सभी सदस्यों ने सर्वाधिक तालियां बजाई।

कवि एवं शायर अशोक यादव भरथना ने संस्थापक सेक्रेटरी को इटावा जनपद का महान शिक्षाविद बताते हुए अपनी कविता.... अपने घर के आंगन की महकती प्यार की खुशबू,इसे मत भूल जाना यह बुजुर्गों की निशानी है....पर श्रोताओं की तालियों का स्नेह प्राप्त किया। टूंडला से पधारे हास्य कवि लटूरी लट्ठ ने लंबी अवधि तक अपनी व्यंग्य रचनाओं द्वारा श्रोताओं को गुदगुदाया,कोरोना में क्वॉरंटाइन व्यंग्य रचना और.... किससे कहें सुनाए किसको,कैसे वक्त गुजार रहे हैं... पर श्रोताओं की भरपूर वाह -वाही लूटी। ओज के लोकप्रिय कवि रोहित चौधरी ने उत्कृष्ट संचालन करते हुए अपनी काव्य रचना 'जटायु ' और ..... मैं भूषण की सिंह गर्जना,खुद की ताकत रखता हूं, वंदे मातरम होठों पर,दिल में भारत रखता हूं....सुना कर सैकड़ो श्रोताओं से भरे सभागार को तालियों की ऊर्जा के साथ कई बार गुंजारित किया।

श्रृंगार के राष्ट्रपति पुरस्कृत अखिल भारतीय कवि डॉ. राजीव राज ने .... सम्बन्धों की भीड़ में,जब मन हुआ अधीर, माँ कहते ही मिट गई,अंतरमन की पीर.... आदि कई दोहों को पढ़ा और सकारात्मक गीत ....जिंदगी की शर्त है,बहते रहो बहते रहो... को श्रोताओं ने सुनकर मंत्रमुग्ध होकर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ आदर दिया। ओज के राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध कवि डॉ.कमलेश शर्मा ने ....वर्जित हो जो पंथ, कभी अनुगम्य नहीं होता... मुक्तक एवं चर्चित गीत ....राम हुए हैं कितने और प्रमाण दें.... प्रस्तुत कर सभागार में उपस्थित श्रोताओं की भरपूर तालियां बटोरी। वरिष्ठ साहित्यकार,शिक्षक एवं कवि डॉ.कुश चतुर्वेदी ने सिद्धांतों की शिक्षाप्रद रचना .....तुम इसको भले सही मानो,मैं इसको सही नहीं कहूंगा और तुम्हारे साथ एक पल भी नहीं रहूंगा....का वाचन कर छात्रों और श्रोताओं को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन वरिष्ठ कवि एवं शिक्षक डॉ कुश चतुर्वेदी एवं ओज कवि रोहित चौधरी द्वारा किया गया। प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी द्वारा प्रबंध समिति के सदस्यों,आगंतुक रचनाकारों तथा श्रोताओं का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

# जनता कॉलेज बकेवर में श्री आनंद स्वरूप मिश्र जन्म शताब्दी समारोह में हुई काव्यांजलि

बकेवर। जनता कॉलेज में श्री आनंद स्वरूप मिश्र जन्म शताब्दी समारोह के तहत अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर के ख्यातिलब्ध कवियों ने अपनी रचनाओं से अर्धरात्रि तक श्रोताओं को मंत्रमुग्ध बनाए रखा। कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्च न्यायालय इलाहाबाद के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री दिलीप कुमार गुप्त ने की। काव्यांजलि की शुरूआत मां सरस्वती की प्रतिमा और संस्थापक सेक्रेटरी आनंद स्वरूप मिश्र के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी तथा समारोह संयोजक डॉ. दिव्य ज्योति मिश्र ने सभी आमंत्रित कवियों का अंगवस्त्र, बैज अलंकरण व प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। अपने उद्बोधन में कार्यक्रम अध्यक्ष श्री गुप्त ने कॉलेज को निःस्वार्थ शैक्षिक मूल्यों की श्रेष्ठ ज्ञान स्थली बताया और संस्थापक की सेवाओं

शुरूआत कवियित्री मंजू यादव की सरस्वती वंदना से हुई, जिसके बाद कवि अरविंद यादव, सुनील अवस्थी और अजय शुक्ला अंजाम ने अपनी ओजस्वी रचनाओं पर खूब सराहना पाई। कवि अशोक यादव भरथना ने संस्थापक की स्मृति में रचना प्रस्तुत की, जबकि हास्य कवि लटूरी लट्ठ ने व्यंग्य रचनाओं से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। संचालन कर रहे कवि रोहित चौधरी ने अपनी रचनाओं जटायु और ह्यमैं भूषण की सिंह गर्जना से सभागार में ऊर्जा भर दी। राष्ट्रपति पुरस्कृत कवि डॉ. राजीव राज ने दोहे और प्रेरणादायक गीत सुनाए, वहीं राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध कवि डॉ. कमलेश शर्मा ने अपनी प्रसिद्ध रचनाओं से तालियां बटोरीं। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कुश चतुर्वेदी ने शिक्षाप्रद काव्य प्रस्तुति देकर छात्रों को प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कुश चतुर्वेदी और रोहित चौधरी ने किया। अंत में प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी ने आगंतुक रचनाकारों, प्रबंध समिति और श्रोताओं का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया।

# जनता कॉलेज बकेवर में श्री आनंद स्वरूप मिश्र जन्म शताब्दी समारोह में काव्य हस्ताक्षरों ने अर्पित की 'काव्यांजलि'

बकेवर, २८ अक्टूबर (निप्र)। जनता कलेज बकेवर में संस्थापक सेक्रेटरी श्री आनंद स्वरूप मिश्र जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय समारोह के द्वितीय दिवस पर काव्यांजलि के रूप में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें अर्धरात्रि तक ख्यातिलब्ध वरिष्ठ कवियों ने अपने काव्य पाठ से श्रोताओं को बांधे रखा।

काव्यांजलि का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा एवं संस्थापक सेक्रेटरी आनंद स्वरूप मिश्र के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ किया गया, कलेज परिवार की ओर से प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी एवं समारोह संयोजक डॉ० दिव्य ज्योति मिश्र, काव्यांजलि समारोह संयोजक श्री नारायण दुबे सदस्य प्रबंध समिति द्वारा अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता उच्च न्यायालय इलाहाबाद श्री दिलीप कुमार गुप्त एवं आमंत्रित कवियों का स्वागत माल्यार्पण, बैज अलंकरण, अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर किया गया।

कार्यक्रम अध्यक्ष श्री गुप्त ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह शिक्षण संस्थान निरूस्वार्थ शैक्षिक मूल्यों की ज्ञान स्थली है, इसके संस्थापक सेक्रेटरी एक कर्मयोगी के रूप में लोक मानस में सदैव स्मरण किए जाते रहेंगे।

प्रथम काव्य प्रस्तुति कवियत्री एवं शिक्षिका मंजू यादव की सरस्वती वंदना ''हंस वाहिनी शारदे माता, कर दो ज्ञान सवेरा'' के साथ प्रारंभ हुई, तत्पश्चात कवि एवं शिक्षक अरविंद यादव ने संस्थापक सेक्रेटरी का स्मरण अपनी कविता ''जब-जब याद तुम्हारी आई,तब- तब हमने गीत लिखे'' पढ़कर किया।

ओज के कवि एवं शिक्षक सुनील अवस्थी ने ''चलूँ मैं सत्य के पथ पर, मुझे मां ने सिखाया है'' प्रस्तुति पर श्रोताओं की भरपूर तालियां बटोरी।

औरैया से पधारे ओज के अखिल भारतीय काव्य हस्ताक्षर अजय शुक्ला 'अंजाम' की चर्चित रचना. ''राणा चेतक के साथ-साथ, भारत माता की जय बोलो'' पर अतिथि दर्शकों, छात्र -छात्राओं के साथ कलेज परिवार के सभी सदस्यों ने सर्वाधिक तालियां बजाई।

शायर अशोक यादव भरथना ने संस्थापक सेक्रेटरी को इटावा जनपद का महान शिक्षाविद बताते हुए अपनी कविता ''अपने घर के आंगन की महकती प्यार की खुशबू, इसे मत भूल जाना यह बुजुर्गों की निशानी है'' पर श्रोताओं की तालियों का स्नेह प्राप्त किया।

टूंडला से पधारे हास्य कवि लटूरी लट्ठ ने लंबी अवधि तक अपनी व्यंग्य रचनाओं द्वारा श्रोताओं को गुदगुदाया, कोरोना में क्वॉरिंटाइन व्यंग्य रचना और ''किससे कहें सुनाए किसको, कैसे वक्त गुजार रहे हैं'' पर श्रोताओं की भरपूर वाह -वाही लूटी।

ओज के लोकप्रिय कवि रोहित चौधरी ने उत्कृष्ट संचालन करते हुए अपनी काव्य रचना 'जटायु' और . ''मैं भूषण की सिंह गर्जना, खुद की ताकत रखता हूं, वंदे मातरम होठों पर, दिल में भारत रखता हूं'' सुना कर सैकड़ो श्रोताओं से भरे सभागार को तालियों की ऊर्जा के साथ कई बार गुंजारित किया।

श्रृंगार के राष्ट्रपति पुरस्कृत अखिल भारतीय कवि डा. राजीव राज ने ''सम्बन्धों की भीड़ में,जब मन हुआ अधीर, माँ कहते ही मिट गई,अंतरमन की पीर'' आदि कई दोहों को पढ़ा और सकारात्मक गीत ''जिंदगी की शर्त है,बहते रहो बहते रहो'' को श्रोताओं ने सुनकर मंत्रमुग्ध होकर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ आदर दिया।

ओज के राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध कवि डा कमलेश शर्मा ने ''वर्जित हो जो पंथ, कभी अनुगम्य नहीं होता'' मुक्तक एवं चर्चित गीत ''राम हुए हैं कितने और प्रमाण दें'' प्रस्तुत कर सभागार में उपस्थित श्रोताओं की भरपूर तालियां बटोरी।

वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षक एवं कवि डा. कुश चतुर्वेदी ने सिद्धांतों की शिक्षाप्रद रचना ''तुम इसको भले सही मानो, मैं इसको सही नहीं कहूंगा और तुम्हारे साथ एक पल भी नहीं रहूंगा'' का वाचन कर छात्रों और श्रोताओं को आशीर्वाद दिया।

कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन वरिष्ठ कवि एवं शिक्षक डा कुश चतुर्वेदी एवं ओज कवि रोहित चौधरी द्वारा किया गया।

प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी द्वारा प्रबंध समिति के सभी उपस्थित सदस्यों,आगंतुक रचनाकारों तथा श्रोताओं का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया।